RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS FOR EXAMINATION FOR THE POST OF LECTURER IN **SINDHI** (SCHOOL EDUCATION)

PAPER-II

खण्ड ।

उच्च माध्यमिक स्तर

1. नसुर मां पैराग्राफ (दर्सी किताबनि खां सवाइ)
   जाण, डुखियनि अखरनि जूं मानाऊं, पैराग्राफ सां लागापो रखन्दड़ सुवाल वगैरह।
2. नज़्मु मां कविता (दर्सी किताबनि खां सवाइ)
   जाण, माना, कविता सां लागापो रखन्दड़ सुवाल
3. राजस्थान जा प्रतिनिधि साहित्यकार
4. भारत में सिन्धी तइलीम जी स्थिति
5. सिन्धी बोलीअ जे वाधारे में सिन्धी इदारनि जी भूमिका
6. सिन्धी अखबार नवीसी :–
   - सिन्धी अखबार नवीसी जो इतिहास
   - साहित्य जी ओसर में सिन्धी मैगज़िनूं
   - आज़ादी आन्दोलन में सिन्धी अखबार नवीसी
   - आज़ादीअ खां पोइ भारत में सिन्धी अखबार नवीसी
7. लुग़त (शब्दकोश) जी जाण ऐं उन खे कम में आणण जा तरीका
8. सिन्धी व्याकरण – इस्म, ज़मीर, सिफत, फइल, ज़र्फु, हर्फु ज़र, हर्फु जुमलो, हर्फु निदा, ज़मान, जिन्स, अदद, ज़िद, सागी माना वारा लफ़्ज, पहाका ऐं चवणियूं
9. साहित्यिक विधाऊ :– शइरु, कहाणी, उपन्यास, नाटक, मज़मून
10. युवक भारती ऐं अझो (दर्सी किताब दर्जो बारहों) मां अभ्यासी सुवाल, हवाला, खाल ऐं ज़िद इस्तलाह, पहाका, हम माना वारा लफ़्ज वगैरह ते आधारित सुवाल।

खण्ड II

स्नातक स्तर

1. सिन्धी साहित्य जो इतिहास
    - सिन्धु : तारीखी पसमनज़र
    - सिन्धी बोली :
        1. भाषाउनि जा कुटम्ब ऐं सिन्धी बोली
        2. सिन्धी बोलीअ जो विकास
        3. सिन्धी बोलीअ जो बुण बुनियाद
        4. सिन्धी बोलीअ जी ओसर
        5. सिन्धीअ ते बियनि बोलियुनि जो असरु
        6. सिन्धी भाषा जूं लिपियूँ ऐं वर्णमाला (आईवेटा)
2. सिन्धी साहित्य जो अवाइली दौर
   (8 ईसवी सदी खां 1500 ई. सन् तांईं)
    - संस्कृत, प्राकृत ऐं अपभ्रंश दौर में सिन्धु जो साहित्य
    - अवाइली दौर जे सिन्धी साहित्य जूं धाराऊं – इश्क जा क़िसा, सूर्याहीअ जा क़िसा, युद्ध वीरता जा क़िसा, दानवीरता जा क़िसा, धर्मी डन्दकथाउं
    - महापुरूषनि ऐं दरवेशनि जा क़िसा, पीरन फकीरनि जी वाणी
3. विचों दौर (भक्ति काव्य जो दौर)
   (1500 ई. सन् खां 1853 ई. सन् तांईं)
    - प्रेम मार्गी, सूफी काव्यधारा, हिन्दू धर्म संबंधी साहित्य, सूफी मत ऐं भारतीय दर्शन
    - मुख्य सूफी शाइर :– काज़ी कादन, शाह करीम, शाह लतीफ, सचल सरमस्त, रोहल फकीर, बेदल
4. निर्गुण मार्गी भक्ति काव्यधारा
    - दादूदयाल
    - महामती प्राणनाथ
    - सामी
    - दलपत
5. नओं दौर
    - शाइरीअ जी ओसर
    - नसुर जे मुख़्तलिफु शाखुनि जी ओसर – कहाणी, नाविल, नाटक, मज़मून, तहक़ीक ऐं तनक़ीद, आत्मकथा, सफरनामो, बाल साहित्य, लोक अदब बोली, लुग़त नवीसी, तर्जुमो

6. सिन्धीअ में सुर ऐं व्यंजन ऐं ध्वनि तत् –
    - सिन्धीअ में सुरनि जो सिरश्तो
    - सिन्धीअ में व्यंजननि जो सिरश्तो
    - सुरनि ऐं व्यंजननि जी विराहसत
7. सिन्धीअ जूं उपबोलियूं – सिरेली, विचोली, लाड़ी, थरी, कच्छी, लासी
8. काव्यशास्त्र
    - छन्द शास्त्र
    - अलंकार शास्त्र
    - रसनि जा प्रकार

खण्ड III

स्नातकोत्तर स्तर

1. तरक्की पसन्द ऐं सिन्धु जे सार वारो दौरू
    - रोमानवादी धारा
    - सिन्धी साहित्य में बइद जदीदियत (Post Modernism)
    - नई कहाणी ऐं अकहाणीअ जो दौरू
    - नई कविता जी जाण
    - लोक अदब
    - साहित्य अकादमी अवार्ड हासिल कन्दड़ लेखक
    - सिन्धी साहित्य ते धारिया असर
2. सिन्धी बोली, लोक संस्कृति ऐं पहाका –
    - पहाकनि जो जन्म, विकास ऐं विराहसत
    - पहाकनि जो सामाजिक ऐं सांस्कृतिक अभ्यास

खण्ड IV– (शैक्षिक मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, शिक्षण–अधिगम सामग्री, कम्प्यूटर एवं सूचना तकनीकी का शिक्षण–अधिगम में उपयोग)

1. शिक्षण–अधिगम में मनोविज्ञान का महत्व :

- अधिगमकर्ता
- शिक्षक
- शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया
- विद्यालय प्रभावशीलता

2. **अधिगमकर्ता का विकास : किशोर अधिगमकर्ता में**

- संज्ञानात्मक, शारीरिक, सामाजिक संवेगात्मक एवं नैतिक विकास के प्रतिमान (Patterns) एवं वैशिष्ट्य (characteristics).

3. **शिक्षण–अधिगम :**

- उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए – व्यवहारवादी, संज्ञानवादी और निर्मितिवादी (constructivist) सम्प्रत्यय, अधिगम के सिद्धान्त एवं इनके निहितार्थ।
- किशोर अधिगमकर्ता की अधिगमकर्ता की अधिगम–विशेषताएँ एवं इनके शिक्षण के लिए निहितार्थ।

4. **किशोर –अधिगमकर्ता प्रबंधन :**

- मानसिक –स्वास्थ्य एवं समायोजन –समस्याओं का सम्प्रत्यय
- किशोर के मानसिक स्वास्थ्य के लिए संवेगात्मक –बुद्धि एवं इसके निहितार्थ।
- किशोर के मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित (परिपोषित) करने की मार्गदर्शक प्रविधियों का उपयोग

5. **किशोर –अधिगमकर्त्ता के लिए अनुदेशनात्मक व्यूहरचनाएँ :**

- सम्प्रेषण कौशल एवं इसके उपयोग।
- शिक्षण की अवधि में, शिक्षण–अधिगम सामग्री का आयोजन एवं उपयोग।
- शिक्षण –प्रतिमान– अग्रिम संगठन, वैज्ञानिक–पृच्छा (enquiry), सूचना, प्रक्रम (processing), सहकारी अधिगम (cooperative).
- शिक्षण– आधारित निर्मितिवादी– सिद्धान्त (constructivist principles).

6. **सूचना सम्प्रेषण तकनीकी शिक्षाशास्त्र समाकलन :**

- सूचना सम्प्रेषण तकनीकी (ICT) का सम्प्रत्यय
- हार्डवेयर (hardware) एवं सॉफ्टवेयर (software) का सम्प्रत्यय
- प्रणाली–उपगाम से अनुदेशन
- कम्प्यूटर सहायता प्राप्त अधिगम (CAL)
- कम्प्यूटर सहायता प्राप्त अनुदेशन (CAI)
- आई.सी.टी. शिक्षाशास्त्र समाकलन को प्रभावित करने वाले कारक।

Paper – II Subject Concerned

Duration : 3 Hour

S.No.	Subject	No. of Questions	Total Marks
1	Knowledge of Subject Concerned : Senior Secondary Level	55	110
2	Knowledge of Subject Concerned : Graduation Level	55	110
3	Knowledge of Subject Concerned : Post Graduation Level	10	20
4	Educational Psychology, Pedagogy, Teaching Learning Material, Use of Computers and Information Technology in Teaching Learning.	30	60
	Total	**150**	**300**

Note : 1 All the question in the Paper shall be Multiple Choice Type Question.

2 Negative marking shall be applicable in the evaluation of answers. For every wrong answer one-third of the
marks prescribed for that particular question shall be deducted.
Explanation : Wrong answer shall mean an incorrect answer or multiple answer.